Date
27-04-2020

B.Ed-IInd

Sub - Work Education, Gandhiji's Nai Talim & Community Engagement

जॉन डीवी के शिक्षा सिद्धांत के प्रमुख बिन्दु और नई तालीम ⇒

शिक्षा के उद्देश्य ⇒ डीवी का मानना था कि शिक्षा के उद्देश्य नहीं होते बल्कि व्यक्तियों के उद्देश्य होते हैं जो भिन्न-भिन्न होते हैं जैसे-जैसे बालक बढ़ता जाता है वैसे-वैसे उसके उद्देश्य बदलते रहते हैं। इस दृष्टि से डीवी ने भी शिक्षा के कुछ उद्देश्य बतलाए हैं:—

I. अनुभवों का पुनर्निर्माण और वातावरण के साथ समायोजन करना ⇒ व्यक्ति के समायोजन की प्रक्रिया शिक्षा से ही सही रूप में परिणत हो सकती है जैसा उसका अनुभव होगा वैसा ही उसका वातावरण के साथ समायोजन होगा।

II. गतिशील एवं अनुकूलन योग्य मन का विकास ⇒ शिक्षा का उद्देश्य एक गतिशील अनुकूलन-योग्य मन का विकास करना है जो सभी स्थितियों में साधन सम्पन्न तथा साहस युक्त हो ऐसा मन जिसमें भविष्य के लिए कुछ नया करने की शक्ति हो।

III. आत्मानुभूति की भावना उत्पन्न करना ⇒ डीवी ने आत्मानुभूति को भी शिक्षा का उद्देश्य माना है। बालक को क्रिया करते हुए अपनी नीजी योग्यताओं व शक्तियों की अनुभूति होती है। वैयक्तिक विभिन्नताओं के कारण बालक को विभिन्न कार्यों में सफलता या असफलता प्राप्त होती है जिसके फलस्वरूप उसको आत्मानुभूति होती है जिसके द्वारा समाज की परिस्थितियों

Scanned with CamScanner

गतिशील समायोजन होता है।

IV. क्रिया और विचार में संतुलन स्थापित करना

V. सामाजिक कुशलता का विकास करना ⇒

पाठ्यक्रम ⇒ I. बाल केन्द्रिता का सिद्धांत ⇒

II. सामाजिक अनुभव का सिद्धांत ⇒

III. रुचि का सिद्धांत ⇒

IV. शैक्षिक अनुभवों तथा समस्याओं से पूर्ण ज्ञान की प्रगतिशील व्यवस्था का सिद्धांत ⇒

V. दैनिक जीवन के उपयोग का सिद्धांत =

VI. समवाय का सिद्धांत ⇒

VII. क्रियाशीलता का सिद्धांत ⇒

VIII. लचीलेपन एवं विभिन्नता का सिद्धांत

IX. उपयोगिता का सिद्धांत ⇒

शिक्षण विधियाँ ⇒ I. क्रिया द्वारा शिक्षा II स्वानुभव द्वारा शिक्षा III. खेल द्वारा शिक्षा IV तदसंबन्ध विधि V उद्योग केन्द्रित विधि VI. निरीक्षण तथा प्रयोग विधि

Scanned with CamScanner